Natural Vegetation of India - Its type and distribution

(भारत की प्राकृतिक वनस्पति - इसके प्रकार और वितरण)

प्रकृति में स्वतंत्र रूप से उगने वाले पेड़-पौधे, घास तथा झाड़ियों को प्राकृतिक वनस्पति कहते हैं। ये प्रायः जलवायु, मिट्टी तथा मानवीय क्रियाओं से प्रभावित होती हैं। प्राचीन से मानव जाति को नाना प्रकार से लाभ पहुँचाती रही हैं। आज भी इमारती लकड़ियाँ, फल, नाना प्रकार की जड़ी बूटियाँ, पत्ते, रबड़ तथा लाख प्राकृतिक वनस्पति से ही प्राप्त होती हैं। मानसून को आकर्षित करने, मिट्टी कटाव को रोकने, ऑक्सीजन को उत्सर्जित करने एवं वातावरण को सुन्दर तथा चित्ताकर्षक बनाने में वनस्पतियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत में कुल भूमि के 25.2% भूभाग पर वृक्षों का विस्तार है। इसमें 21.76% पर वन तथा 3.41% भाग वृक्षों का आच्छादन है। सबसे अधिक वनाच्छादित वाले राज्यों में मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ का स्थान आता है जबकि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली तथा बिहार में वनों का % (प्रतिशत) बहुत ही कम है। भारतीय वन नीति 1988 के अनुसार देश के कम से कम 1/3 भाग पर वन होना चाहिए। सरकार ने नयी वन नीति में वन के विस्तार पर जोर दिया है।

भारतीय वनों को दो आधारों पर वर्गीकरण किया गया है। 1) भौगोलिक वर्गीकरण तथा 2) प्रशासनिक आधार। भौगोलिक वर्गीकरण के आधार पर भारतीय वनों को मुख्यतः 5 भागों में बाँटा गया है —

1) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन (Tropical Evergreen Forest)
2) उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन (Tropical Deciduous ,,)
3) शुष्क वन (Dry Forest)
4) खारीय वन (Mangrove Forest)

5) मरुस्थलीय वन (Desert forest)

6) पर्वतीय वन (Mountaineous forest)

उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन
(Tropical Evergreen Forest)

इसे उष्ण कटिबंधीय चिर हरित वन भी कहते हैं। यह वन भारत के उन क्षेत्रों में फैले हैं जहाँ वार्षिक वर्षा 250 सेमी से अधिक और तापमान 25°C से 27°C बीच और औसत वार्षिक आर्द्रता 77% से अधिक मिलती है। भारत के निम्न भागों में यह वन बहुतायत में पाये जाते हैं —

1) पूर्वोत्तर भारत
2) पश्चिमी घाट के पश्चिमी भाग।
3) अंडमान निकोबार द्वीप समूह।

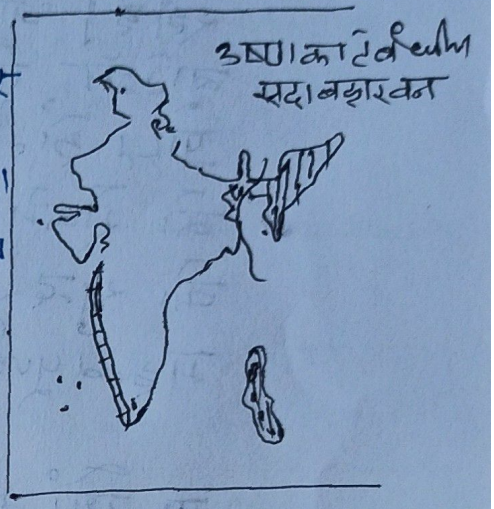

वर्षभर हरे-भरे रहने के कारण इसे सदाबहार या चिर हरित वन भी कहते हैं। यहाँ के वृक्ष वितानी तथा बहु-तलीय संरचना वाले (Canopy) होते हैं। यहाँ पाये जाने वाले मुख्य वृक्षों में गुरजन, बाँस, महोगनी, आबनूस, रबर, रोजवुड, बेंत, ताड़ और आयरन वुड हैं। इस वन की लकड़ियाँ, वन सघन तथा लताओं से भरे-पड़े होते हैं। वृक्ष आपस में उलझे होने के कारण इनका आर्थिक दोहन नहीं हो पाता है।

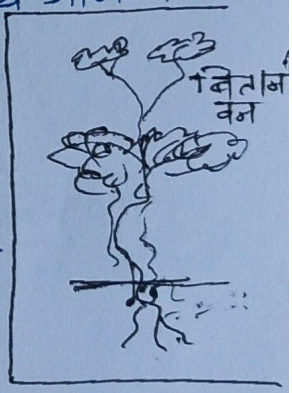

उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन
(Tropical Deciduous forest)

इसे मानसूनी वन भी कहते हैं। ग्रीष्म ऋतु के आरम्भ पर इसके वृक्ष अपनी पत्तियाँ झाड़ देते हैं। इसकारण इस वन को उष्ण कटिबंधीय पतझड़ वन कहते हैं। ये वन निम्न भौगोलिक दशाओं वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं —

1) वर्षा - 100-200 से०मी०
2) तापमान - 24°C से 27°C
3) आर्द्रता - 60 से 80 प्रतिशत

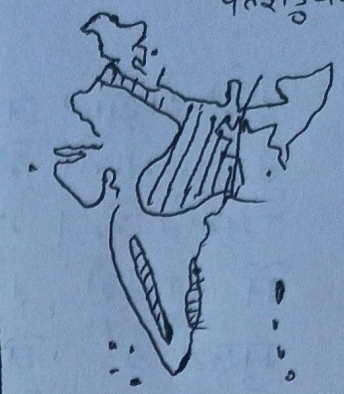

इस वन में मुख्य रूप से शीशम, साल, सागवान, चंदन, पीपल, आँवल, बरगद कुसुम, सखुआ, महुआ और आम मुख्य है।

यह वन भारत के अधिकांश भागों में पाये जाते हैं। भारत मानसूनी देश होने के कारण इसे मानसून वन भी कहते हैं। प्रायः ये वन प० घाट के पूर्वी भाग, गंगा के मैदानी भाग, छोटानागपुर के पठारी भाग, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु तथा कर्नाटक में यह वन पाया जाता है।

शुष्क वन
(Dry Forest)

इसे उष्ण कटिबंधीय काँटेदार वन भी कहते हैं। ये वन उन क्षेत्रों में पाये जाते हैं जहाँ वर्षा की मात्रा बहुत कम (50-75 से०मी०) और उच्च तापमान (25°-27°c) और आर्द्रता 47% पायी जाती है। इस प्रकार के वनों की वृक्षों की जड़े लम्बी तथा आकार ठिगने होते हैं।

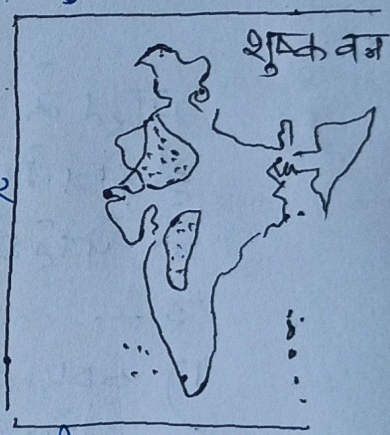

मुख्य वृक्षों में बबूल, तेंदू, खजूर, नागफनी, खैर, खेजड़ी और झाड़ है। ये वन मुख्य रूप से द० प० पंजाब, पश्चिमी हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्यवर्ती तथा पूर्वी राजस्थान में पाये जाते हैं।

मरुस्थलीय वन
(Desert Forest)

अत्यधिक गर्मी तथा न्यून वर्षा के कारण यहाँ वनों का बहुत ही कम विस्तार है। जगह-जगह कंटीले वृक्ष तथा घास पायी जाती है। कंटीली वृक्षों में खजूर तथा बबूल हैं। कहीं-कहीं नागफनी देखने को मिलता है।

ज्वारीय / मैंग्रोव वन
(Tidal Forest)

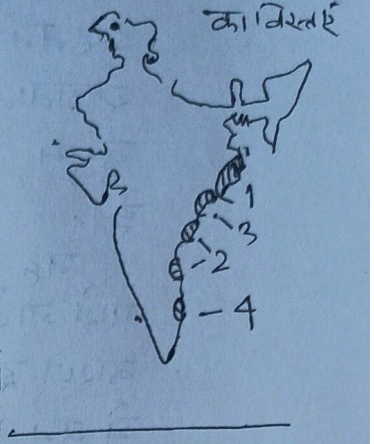

इसे मैंग्रोव वन भी कहते हैं। प्रायः ये वन तटीय भागों में जहाँ मीठे तथा खारे जल आकर मिलते हैं। मुख्य वृक्षों में पाये जाते हैं उन में सुन्दरी, तज, राइजोफोरा, नारियल तथा केवड़ा मुख्य हैं। विश्व के लगभग 5% ज्वारीय वन केवल भारत में पाये जाते हैं। मुख्य रूप ज्वारीय वन निम्न क्षेत्र में पाये जाते हैं —

1) सुन्दरवन का डेल्टा
2) गोदावरी और कृष्णा नदी का डेल्टा
3) महानदी का डेल्टाई क्षेत्र
4) कावेरी नदी का डेल्टाई प्रदेश

पर्वतीय वन
(Montane Forest)

भारत के पर्वतीय अंचलों में यह वन पाये जाते हैं। यहाँ एक ही क्षेत्र में मात्र कुछ किलोमीटर की पट्टी में कई प्रकार के वनस्पति की पेटियाँ पायी जाती हैं। जैसा कि नीचे वर्णित है —

1) उष्णकटिबंधीय चौड़े पत्ते वाले वन
2) शीतोष्ण वन
3) अल्पाइन वन

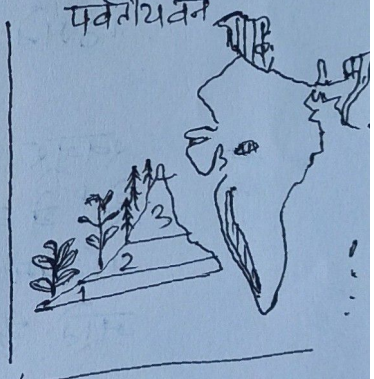

मुख्य वृक्ष - देवदार, स्प्रूस, सिल्वर फर, ओक, पाईन, बर्च, मैपल मुख्य हैं। ये वन हिमालय, प० घाट तथा पूर्वोत्तर भारत में पाये जाते हैं।